जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 253 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 14 जुलाई, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चंद्रयान-3 शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023 को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा में लॉन्च के लिए तैयार है। इस मिशन के अन्तर्गत चंद्रयान-3 का रोबॉटिक उपकरण 24 या 25 अगस्त को चांद के उस हिस्से (शैकलटन क्रेटर) पर उतरेगा जहाँ अभी तक किसी भी देश का कोई अभियान नहीं पहुँचा है। इसी वजह से पूरी दुनिया की निगाहें भारत के इस मिशन पर हैं। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (इसरो) के मून मिशन का उद्देश्य है चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उसके हाईलैंड पर एक लैंडर और एक रोवर स्थापित करना और एंड-टू-एंड लैंडिंग और रोविंग क्षमताओं का प्रदर्शन करना। लॉन्च व्हीकल मार्क-3, जिसे ''जियोसिंक्रोनस सैटलाइट'' लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (जी.एस.एल.वी. एम.के. 3) भी कहा जाता है, से शुक्रवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 2:45 बजे चंद्रयान-3 को लाँच किया जाएगा। चंद्रयान-3 में मुख्यतः तीन अंग हैं, एक लैंडर, एक रोवर और एक प्रोपल्शन मॉड्यूल। इसका वजन कुल 3,900 किलोग्राम है। इसका रोवर चंद्रयान-2 के विक्रम रोवर के समान है, लेकिन सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने में मदद के लिए इसमें सुधार किए गए हैं। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि, चंद्रयान -3 का उद्देश्य, चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग तथा घूमने की क्षमताओं का प्रदर्शन करने के अलावा, वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना और अंतरग्रहीय मिशनों के लिए आवश्यक नई टैक्नॉलजी का विकास और प्रदर्शन करना है। चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल को अंतिम 100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में ले जाएगा। इस कक्षा में पहुंचने के बाद लैंडर मॉड्यूल और प्रोपल्शन मॉड्यूल अलग हो जाएंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल, अलग होने के बाद, चंद्रमा के चारों ओर एक कक्षा में रहेगा और कम्यूनिकेशन रिले सैटलाइट के रूप में कार्य करेगा। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला मिशन होगा। यह क्षेत्र अपने स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों के कारण विशेष रुचि रखता है, जहां पानी और बर्फ होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। चंद्रयान-3 मिशन का लक्ष्य इस अज्ञात क्षेत्र के अद्वितीय भूविज्ञान और संरचना का अध्ययन करना है। (यह फोटो ट्विटर, @ ISRO के सौजन्य से ली गई है)

आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान के लिये अन्ततोगत्वा 3 बिलियन डॉलर का पैकेज स्वीकृत किया

इस पैकेज में से आई.एम.एफ. पहले 1.2 बिलियन डॉलर रिलीज़ करेगा तथा फिर आई.एम.एफ. द्वारा प्रदत्त रिफॉर्म पैकेज की शर्तों के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए बाकी राशि रिलीज़ की जायेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। इन्टरनैशनल मॉनिटरी फण्ड (आई.एम.एफ.) ने आज पाकिस्तान के लिये अरब डॉलर के बेल-आउट पैकेज को औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। पाकिस्तान के साथ लम्बे समय तक चली दीर्घकालीन सौदेबाजी के बाद उसे बेल-आउट सुविधा प्रदान करने की स्थिति बनी।

जैसा होता आया है, आई.एम.एफ. की बेल-आउट सुविधा कुछ ''शर्तों'' तथा नीतिगत सुधारों की हिदायत के प्रदान की जाती है, जिनमें शामिल हैं- ऊर्जा की कीमतों सख्त संशोधन, राजकोषीय घाटे में कटौती तथा पाकिस्तानी रूपये के लिये मार्केट-संचालित विनिमय दर। इन संशोधनों को देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति में हासिल करनी सबसे कम मुश्किलों वाला काम है।

ऋण की स्वीकृति की शर्त के रूप में जिन नीतिगत सुधारों पर जोर दिया जा रहा है, उनमें सबसे पहला बिन्दु है- पाकिस्तान के लिये जरूरी राजकोषीय समायोजन को आसान बनाने तथा ऋण की सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करने के एफ.वाई. 24 के बजट की क्रियान्विति तथा इसके साथ ही आवश्यक सामाजिक कार्य खर्च को संरक्षण प्रदान करना।

- **भारत की भी ऐसी ही स्थिति थी, 1991 में। दृढ़ता से रिफॉर्म्स की नीति के अनुसरण से इकॉनमी में परिवर्तन आया था तथा सतत इकोनॉमिक ग्रोथ संभव हो सकी थी।**
- **पर, क्या पाकिस्तान इतने सख्त कदम उठा पायेगा। क्योंकि आई.एम.एफ. का पैकेज एक तरह से बहुत गलत समय आया है, जबकि, पाकिस्तान एक बहुत ही नाजुक, अस्थिर व उत्तेजित राजनीतिक दौर से गुजर रहा है। क्या इस समय आई.एम.एफ. की सख्त शर्तें लागू करना बहुत ही टेढ़ी खीर है। शर्तों से पैट्रोल, डीजल के ऊँचे दाम और बढ़ेंगे तथा पाकिस्तान की मुद्रा का और भारी अवमूल्यन होगा, आदि, आदि।**

दूसरे, आई.एम.एफ. का जो मार्केट द्वारा निर्धारित विनिमय दर की ओर लौटने तथा उचित एफ.एक्स. मार्केट के कार्य-संपादन को ऐसा बनाये जाने पर है जो बाहरी आघातों को सहज रूप से बर्दाश्त कर सके तथा विदेशी मुद्रा की कमी को दूर कर सके। तीसरे बिन्दु के रूप में, आई.एम.एफ. का जोर समुचित सख्ती वाली मौद्रिक नीति पर है, जिसका उद्देश्य मुद्रा का डिसइन्फ्लेशन पर रहे। अंतिम बिन्दु था- संरचनात्मक सुधारों की दिशा में और आगे बढ़ा जायें, इन सुधारों में भी ऊर्जा क्षेत्र की व्यवहार्यता, एस.ओ.ई. गवर्नेंस तथा जलवायु की समुत्थान शक्ति पर विशेष जोर रहना चाहिये।

इन शर्तों का अर्थ यह है पाकिस्तान के सैन्ट्रल बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी होंगी, पेट्रोल, डीज़ल तथा अन्य ईंधनों की कीमतें बढ़ानी होंगी, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की संरचना सख्ती के साथ बदलनी होगी, जिसमें श्रमिकों की छँटनी भी शामिल है। इसके अलावा, लागत की भरपाई के लिये बिजली तथा अन्य ईंधनों की कीमत बढ़ानी होगी।

जहाँ पाकिस्तान में इस समय वस्तुओं का मूल्य बहुत ज्यादा बढ़ेगा तथा इससे आम जनता की नाराज़गी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपने आरोपित नेताओं के खिलाफ कार्यवाही करने से कतराती रही है भाजपा

एम.जे. अकबर के खिलाफ कार्यवाही में जरूर तत्परता दिखायी थी, शायद इसका कारण था, अकबर राजनीतिक दृष्टि से ''लाइट वेट'' थे

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। सार्वजनिक दबाव के फलस्वरूप, पार्टीजनों के खिलाफ कार्यवाही न करने वाला भाजपा का वर्तमान नेतृत्व इस समय कैसरगंज सांसद तथा रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के मामले में असमंजस की स्थिति में है। दिल्ली पुलिस अपनी चार्जशीट में कोर्ट ट्रायल की अनुशंसा कर चुकी है। चार्जशीट में छः महिला पहलवानों द्वारा लगाये गये यौन शोषण के आरोपों के सबूतों की सूची दी हुई है।

- **पर बृज भूषण सिंह तो राजनीतिक दृष्टि से काफी भारी हैं, यू.पी. की चार संसदीय सीटों पर उनकी भारी पकड़ है।**
- **दिल्ली पुलिस द्वारा बृज भूषण सिंह के खिलाफ चार्जशीट में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की गई है।**
- **इस सिफारिश ने भाजपा को भारी दुविधा में डाल दिया है, अतः यह गौर करने की बात रहेगी कि, भाजपा इस दुविधा में क्या निर्णय लेती है।**
- **पर, दूसरी ओर यह भी सच है कि, नैतिक रूख अख्तियार करते हुए, मनमोहन सिंह सरकार के दूसरे शासन काल में कई मंत्रियों ने चार्जशीट दर्ज होने के बाद, मंत्री पद से इस्तीफा दिया था, जैसे अश्विनी कुमार, पवन बंसल, कलमाड़ी, ए. राजा, कनीमोई व अशोक चव्हाण। पर इस नैतिक निर्णय का कांग्रेस को कोई लाभ नहीं मिला था चुनाव में।**

जहाँ ''मी टू'' आरोपों के सामने आने के बाद चन्द दिनों के अन्दर ही एम.जे. अकबर केन्द्रीय मंत्रिमण्डल से हटा दिये गये थे, वहीं भाजपा नेतृत्व अपराध के आरोपी नेताओं के खिलाफ कार्यवाही करने में प्रायः सुस्त रहा है। उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर, जिन पर उन्नाव केस में बलात्कार, हत्या तथा आपराधिक षडयंत्र के दोषी पाये गये थे, को अन्ततः भाजपा ने निलम्बित तो कर दिया था लेकिन पार्टी के इस कदम को बहुत देर से की गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

70 परिवारों को आठ कि.मी. दूर की ग्राम पंचायत में जोड़ा

जयपुर, 13 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर के रूपवास उपखंड की ग्राम पंचायत माडापुरा के 70 से अधिक परिवारों को आठ किमी दूर की ग्राम पंचायत में जोड़ने पर ग्रामीण विकास विभाग के ए.सी.एस., भरतपुर के संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और रूपवास

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने भरतपुर की माडापुरा ग्राम पंचायत के कमालपुरा व श्रीनगर गांव के 70 से ज्यादा परिवारों को 8 किलोमीटर दूर की कंजोली ग्राम पंचायत में जोड़ने पर भरतपुर के कलैक्टर, संभागीय आयुक्त व रूपवास के उपखंड अधिकारी से जवाब मांगा है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुएं में पड़ा मिला युवती का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

डॉ. किरोड़ी लाल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे

हिण्डौन सिटी, 13 जुलाई (निसं)। नादौती थाना अंतर्गत भीलापाड़ा रोड पर एक कुएं में युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती के शव को हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। जहां मेडिकल बोर्ड से उसका पोस्टमार्टम करवाया गया युवती के शव का पोस्टमार्टम करने के दौरान शरीर में रिवॉल्वर की गोली मिली है, जिसको लेकर धरने पर बैठे राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले का खुलासा व हत्यारों की शीघ्र पकड़ने की मांग की है।

राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मामले की जानकारी मिलने पर हिंडौन के जिला अस्पताल पहुंचे। युवती के साथ पहले गैंगरेप और फिर एसिड डाल कर हत्या करने तथा उसके बाद कुएं में फेंकने की आशंका जताते हुए मृतक युवती एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की गहलोत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के अस्पताल पहुंचने के कारण वहां भाजपा कार्यकर्ता व अन्य लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान टोडाभीम डीएसपी अमर सिंह मीणा सहित थाना नादौती, थाना हिंडौन नई मंडी, थाना कोतवाली हिंडौन एवं थाना बालघाट की पुलिस भी मौजूद रही।

- **युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म व तेजाब डालकर हत्या करने और शव को कुएं में फेंकने का आरोप।**

नादौती थाना अधिकारी बाबूलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भीलापाड़ा रोड पर स्थित एक कुएं में युवती के शव की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को बाहर निकलवाने पर उसकी शिनाख्त बालघाट थाना अंतर्गत मोहनपुरा गांव निवासी आरती बैरवा उम्र 19 वर्ष के रूप में हुई। पुलिस ने शव को हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। घटना की सूचना के बाद सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा भी हिण्डौन जिला अस्पताल पहुंच गए इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता भी एकत्रित हो गए। सांसद मीणा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसिड अटैक के बढ़ते मामलों को लेकर एडवाइज़री जारी की है लेकिन राजस्थान सरकार उसकी पालना नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब नॉन ए.सी. वंदे भारत ट्रेनें भी संचालित होंगी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (वार्ता)। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सफलता के बाद भारतीय रेलवे अब गरीब यात्रियों के लिए 'वंदे भारत साधारण' गाड़ी बना रही है जो गैरवातानुकूलित श्रेणी की गाड़ी होगी।

सूत्रों के अनुसार चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में वंदे भारत के इस संस्करण पर काम शुरू हो गया है और जनवरी तक इस संस्करण के पटरी पर उतरने की संभावना है। यह गाड़ी कुर्सीयान वाली होगी और बाद में

- **वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सफलता के बाद भारतीय रेलवे अब गरीब यात्रियों के लिए ''वंदे भारत साधारण'' रेलगाड़ी बना रही है जो गैर वातानुकूलित श्रेणी की गाड़ी होगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव क्या आए, कार्यकर्ताओं की तवज्जो याद आ गई कांग्रेस नेताओं को

डोटासरा बोले, सरकार बनते ही 3 महीने में सारी राजनीतिक नियुक्तियाँ कर देंगे

जयपुर, 13 जुलाई (का.प्र.)। जैसे ही अब चुनाव नजदीक आने लगा है वैसे ही कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं को तवज्जो देने की बातें याद आ रही है। हरेक नेता अपने बयानों और भाषणों में कहने लगा है कि कार्यकर्ताओं को तवज्जो मिलेगी।

गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों के सम्मेलन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा कि सरकार बनते ही पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को 3 महीने में राजनीतिक नियुक्तियां दे दी जाएंगी। हमें दिल्ली से ऐसे निर्देश मिले हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि अब तक साढ़े 4 साल में कार्यकर्ताओं को वह तवज्जो क्यों नहीं मिली, जो उन्हें मिलनी चाहिए थी, क्या इसके लिए दिल्ली में पहले कोई निर्देश नहीं दिया था। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में जो भी अच्छा काम करेंगे, उनमें से हर साल 40 ब्लॉक अध्यक्षों को बेस्ट ब्लॉक अध्यक्ष का अवॉर्ड मिलेगा। वैसे कार्यकर्ताओं को तवज्जो देने की बात सिर्फ डोटासरा ने ही नहीं की, बल्कि हरीश चौधरी ने भी कहा कि सरकार बने तो मंत्री, विधायक या ब्यूरोक्रेट्स की सरकार नहीं लगनी चाहिए, लगना चाहिए कि कार्यकर्ताओं की सरकार है।

राहुल गांधी की सोच स्पष्ट है कि हम राजनीति इसलिए कर रहे हैं कि हर व्यक्ति हर वर्ग जिसका जो अधिकार है उसे दिलाया जाए। चौधरी ने कहा कि इन दिनों कांग्रेस पार्टी में सिद्धांत बन गया है कि सब को शामिल कर लो, लेकिन इस सिद्धांत के पीछे हमारा मकसद किसी ना किसी को बाहर निकालना बन गया है। पश्चिमी राजस्थान में कलबी चौधरी कभी सौ फीसदी कांग्रेस को वोट देते थे, लेकिन अब सबको शामिल करने और अपनों को बाहर निकालने के चलते हालत यह हो गई है कि कई जिलों में हमारा परंपरागत वोट ज़ीरो हो गया है। किसी को साथ जोड़ना गलत बात नहीं है लेकिन अगर हमारी सोच किसी को बाहर निकालने के लिए किसी को साथ जोड़ने की है तो यह गलत है। चौधरी ने कहा कि भाजपा के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है और हमारे पास संसाधन नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे नेताओं के पास संसाधन नहीं है। कांग्रेस पार्टी विश्व की एकमात्र पार्टी है जो अमीर लोगों की सबसे गरीब पार्टी है।

- **हरीश चौधरी ने कहा, मंत्री, विधायक, ब्यूरोक्रैट्स की नहीं, कार्यकर्ताओं की सरकार लगनी चाहिए।**
- **सचिन पायलट ने कहा, आप मानिए कि आज से ही चुनाव चालू हो गए हैं। कब चुनाव अभियान का आगाज़ होगा, दिल्ली से घोषणा होगी, उसका आप इंतजार मत कीजिए।**
- **सचिन पायलट ने यह भी कहा कि, जो मुद्दे व सिद्धांत हम पहले भी उठाते रहे हैं और आप लोग भी उठाओगे, तो सरकार बनेगी। हमें यहां जयपुर में भाषण देने से काम नहीं चलेगा, हम भी क्षेत्र में जाएंगे, आपको भी जमीन तैयार करनी है।**

इस अवसर पर सचिन पायलट ने कहा कि हम सब लोग जो कथित रूप से नेता हैं, हम यहां थोड़ा बहुत करते रहेंगे, हमारे बीच थोड़ी बहुत चलती रहेगी। यह चलता है राजनीति में। हालांकि जो मुद्दे सिद्धांत हम पहले भी उठाते रहे हैं और आप लोग भी उठाओगे तो सरकार बनेगी। यहां जयपुर में भाषण देने से काम नहीं चलेगा, हम भी क्षेत्र में जाएंगे, आपको जमीन तैयार करनी है।

सम्मेलन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में हुई बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने जो संदेश दिया है, उसके बाद पूरी पार्टी एकजुट है। जब राहुल गांधी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सहायक उपनिरीक्षक दस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, 13 जुलाई (निस)। गुरूवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) के ए.एस.पी. महेश मीणा के नेतृत्व ए.सी.बी. की टीम ने कार्यवाही करते हुए उच्चैन थाना के सहायक उपनिरीक्षक अमीर चंद को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- **ए.सी.बी. की टीम ने उच्चैन थाना के ए.एस.आई. अमीर चंद को दस हजार रू. की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोप है कि, वह परिवादी से एक मामले में एफ.आर. लगाने के लिए 11 हजार रू. मांग रहा था।**

ए.एस.पी. महेश मीणा ने बताया कि परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)